CHAPTER 50

SANSKRIT

Doctoral Theses

588. उदिता

वाक्यपदीय के द्वितीय काण्ड पर आधारित अम्बाकर्त्री टीका का समालोचनात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : डॉ. अंजू सेठ

Th 20049

विषय सूची

1. अम्बाकर्त्री पं. रघुनाथ शर्मा जी का संक्षिप्त जीवन परिचय 2. वाक्य विषयक चिन्तन 3. वाक्यार्थ चिन्तन 4. पद चिन्तन 5. पदार्थ विषयक चिन्तन 6. खण्डपक्ष का निषेध एवं अखण्डपक्ष की स्थापना स्फोट का अर्थ 7. पं. रघुनाथ शर्मा जी की विद्वता व योगदान 8. उपसंहार । सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

589. कुंवर पाल

वाल्मीकिरामायण के तिङन्तों का समीक्षात्मक अध्ययनः समालोचनात्मक संस्करण के आधार पर।

निर्देशक : डॉ. सत्यपाल सिंह

Th 20036

विषय सूची

1. बाल काण्ड में तिङन्तों की समीक्षा 2. अयोध्या काण्ड में तिङन्तों की समीक्षा 3. अरण्य काण्ड में तिङन्तों की समीक्षा 4.किष्किन्धा काण्ड तिङन्तों की समीक्षा 5.सुन्दर काण्ड में तिङन्तों की समीक्षा 6. युद्ध काण्ड में तिङन्तों की समीक्षा 7. उत्तर काण्ड में तिङन्तों की समीक्षा 8. उपसंहार । सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

590. कमलेश रानी

आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी के महाकाव्यों का काव्यशास्त्रीय अध्ययन।

निर्देशिका : प्रो. शारदा शर्मा

Th 20050

विषय सूची

1. आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2.आधुनिक-संस्कृत-महाकाव्य एवं द्विवेदी-कृत महाकाव्यत्रयी 3. महाकाव्यत्रयी का काव्यशास्त्रीय अध्ययन 4. अलंकार योजना एवं छन्दोविधान 5. वक्रोक्ति-विवेचन 6. औचित्य-विचार 7. रीति-विचार-गुण-दोष-विचार 8. उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

591. कैलाश चन्द

वैदिक संहिताओं में मनस्तत्त्व।

निर्देशिकाएं : डॉ. वन्दिता मधुहासिनी अरोड़ा तथा डॉ. प्रतिभा रानी मिश्रा

Th 20044

विषय सूची

1. मनस्तत्त्व का शास्त्रीय विवेचन 2. ऋग्वेद संहिता में मनस्तत्त्व 3. यजुर्वेद संहिता में मनस्तत्त्व 4. सामवेद संहिता में मनस्तत्त्व 5. अथर्ववेद संहिता में मनस्तत्त्व 6. वैदिक संहिताओं में मन का व्यावहारिक स्वरूप 7. वैदिक मनस्तत्त्व की वर्तमान प्ररिप्रेक्ष्य में उपादेयता 8. निष्कर्ष। परिशिष्ट एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

592. जगमोहन

संस्कृत व्याकरणशास्त्र की परम्परा में सरस्वतीकण्ठाभरण का अवदान।

निर्देशिका : प्रो. दीप्ति शर्मा त्रिपाठी

Th 20052

विषय सूची

1. व्याकरण का उद्‌भव एवं विकास 2.भोजदेव का व्यक्तित्व एवं कर्त्तृत्व 3. सरस्वतीकण्ठाभरण की संरचना 4. भोजदेव का संस्कृत व्याकरण को अवदान 5. भोज एवं पूर्ववर्ती वैयाकरण 6. भोज एवं उत्तरवर्ती वैयाकरण 7. उपादेयता की दृष्टि से मूल्याकंन 8. निष्कर्ष। परिशिष्ट एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

593. जितेन्द्र कुमार

मलयगिरिशब्दानुशासन एवं पाणिनीय व्याकरण का तुलनात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : डॉ. पतञ्जलि कुमार भाटिया

Th 20205

विषय सूची

1. मलयगिरि सूरि व्यक्तित्व एवं कर्त्तृत्व 2. मलयगिरिशब्दानुशासन - विशिष्ट परिचय 3. मलयगिरिशब्दानुशासन एवं पाणिनीय व्याकरण का तुलनात्मक अध्ययन (पूर्वभाग) 4. मलयगिरिशब्दानुशासन एवं पाणिनीय व्याकरण का तुलनात्मक अध्ययन (उत्तरभाग) 5. मलयगिरिशब्दानुशासन के आधार पर तात्कालिक समाज का अध्ययन 6. मलयगिरि शब्दानुशासन पर पूववर्ती व्याकरणों का प्रभाव 7. जैनव्याकरणपरम्परा को मलयगिरि शब्दानुशासन का अवदान 8. उपसंहार। परिशिष्ट एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

594. नीलम

हरविजयम् महाकाव्य में प्रयुक्त क्रियारूपों का संरचनात्मक एवम् अर्थमूलक अध्ययन।

निर्देशिका : डॉ. ए. सुधा देवी

Th 20037

विषय सूची

1. हरविजयम् महाकाव्य कृतिकार व कृति परिचय 2.क्रियारूप एक सामान्य परिचय 3. हरविजयम् में प्रयुक्त मूल धातुओं से निष्पन्न क्रियारूपों का अध्ययन (गण, पद तथा वाच्य व्यवस्था के आधार पर) 4. हरविजयम् में प्रयुक्त प्रत्ययान्त धातुओं से निष्पन्न क्रियारूप 5. हरविजयम में प्रयुक्त नामधातु-क्रियारूप 6. हरविजयम् में प्रयुक्त क्रियारूपों का अर्थ-वैज्ञानिक अध्ययन 7. उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

595. प्रवीन कुमारी

हरविजयम् महाकाव्य के क्रियापदों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन।

निर्देशिका : प्रो. दीप्ति त्रिपाठी

Th 20039

विषय सूची

1. संस्कृत महाकाव्यों की परम्परा में हरविजयम् का स्थान 2.भाषावैज्ञानिक एवं व्याकरणिक अध्ययन का स्वरूप 3.हरविजयम् में प्रयुक्त तिङन्तों का संरचनात्मक विश्लेषण 4. हरविजयम् में प्रयुक्त कृदन्तों का संरचनात्मक विश्लेषण 5. हरविजयम् में प्रयुक्त क्रियापदों का अर्थमूलक विश्लेषण 6. हरविजयम् में प्रयुक्त क्रियापदों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन 7. उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

596. पाण्डेय (शंकर दत्त)

संस्कृत व्याकरण-दर्शन में क्रियार्थ-चिन्तन एवम् आधुनिक सन्दर्भ में उसका उपयोग।

निर्देशिका : प्रो. दीप्ति शर्मा त्रिपाठी

Th 20040

विषय सूची

1. संस्कृत व्याकरण के विविध आयाम 2.पाणिनीय व्याकरण में व्याकरण-स्वरूप 3. संस्कृत भाषा में व्याकरण-दर्शन 4. भर्तृहरिपूर्व आचार्यों एवं भर्तृहरि का क्रियार्थ-चिन्तन 5. भर्तृहरि के परवर्ती आचार्यों का क्रियार्थ-चिन्तन 6. वेलेन्सी व्याकरण में क्रियार्थ विचार 7. आधुनिक संदर्भ में संस्कृत क्रियार्थ-चिन्तन का उपयोग 8. निष्कर्ष एवं उपसंहार। परिशिष्ट एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

597. बिभुइत कुमार

प्रस्थानत्रयी शांङ्करभाष्य में आचार मीमांसा ।

निर्देशिका : डॉ. शरदलता शर्मा

Th 20034

विषय सूची

1. आचार का अर्थ, स्वरूप एवम् शास्त्रीय प्रतिपादन 2. प्रस्थानत्रयी का सामान्य परिचय 3. शंङ्कराचार्य का परिचय एवं अद्वैत वेदान्त के प्रति योगदान 4. उपनिषद् भाष्य में प्रतिपादित आचार 5. शारीरक भाष्य प्रतिपादित आचार 6. शंङ्कराचार्य के गीताभाष्य में प्रतिपादित आचार 7. उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

598. भाटी (सुनयना)

वेदाङ्ग ज्योतिष का समीक्षात्मक अध्ययन ।

निर्देशिका : डॉ. पुनीता शर्मा

Th 20045

विषय सूची

1. ज्योतिष साहित्य परम्परा और वेदाङ्ग ज्योतिष 2. काल स्वरूप और वेदाङ्ग ज्योतिष 3. वेदाङ्ग ज्योतिष में वर्णित काल परिमाण की इकाईयाँ 4. वेदाङ्ग ज्योतिष में नक्षत्र सम्बन्धी अवधारणा 5. वेदाङ्ग ज्योतिष की कैलेण्डर पद्धति की गणितीय प्रक्रियाएँ 6. उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

599. भारद्वाज (चित्रा)

श्रीहरिनामामृत व्याकरण का समीक्षात्मक अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. पतञ्जलि कुमार भाटिया

Th 20270

विषय सूची

1. संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास 2. जीवगोस्वामी और उनका श्रीहरिनामामृत व्याकरण : एक अध्ययन 3. श्रीहरिनामामृत व्याकरण के संज्ञा-संधि-विष्णुपद प्रकरणों का विमर्श 4. श्रीहरिनामामृत व्याकरण के आख्यात प्रकरण का विमर्श (पाणिनि तथा पाणिनीयेतर व्याकरणों से तुलना) 5. श्रीहरिनामामृत व्याकरण के कारक - समास प्रकरणों का विमर्श 6. श्रीहरिनामामृत व्याकरण के कृदन्त - तद्धित प्रकरणों का विमर्श 7. जीवगोस्वामी के संस्कृत व्याकरणशास्त्र विषयक अवदान की समीक्षा 8. उपसंहार। परिशिष्ट तथा सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

600. रस्तोगी (रचना)

स्वामिश्रीमद्भगवदाचार्य-प्रणीत श्रीमहात्मागान्धिचरितम् महाकाव्य का साहित्यशास्त्रीय अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. गिरिशचन्द्र पन्त

Th 20051

विषय सूची

1. संसकृत-काव्य-सर्जना एवं स्वामी भगवदाचार्य 2. आधुनिक संस्कृत-साहित्य में राष्ट्रीय भावना एवं संस्कृत वाङ्मय में महात्मा गाँधी 3. श्रीमहात्मागान्धिचरितम् महाकाव्य की विषयवस्तु एवं महाकाव्यत्व 4. श्रीमहात्मागान्धिचरितम् महाकाव्य में वर्णित वर्णन-विधान 5. श्रीमहात्मागान्धिचरितम् महाकाव्य में वर्णित पात्र-योजना 6. श्रीमहात्मागान्धिचरितम् में रस-परिपाक एवं ध्वनि-समीक्षा 7. श्रीमहात्मागान्धिचरितम् में छन्दोलंकार-समालोचन 8. श्रीमहात्मागान्धिचरितम् में भाषा-विधान, रीति, गुण, वक्रोक्ति, एवं औचित्य-विवेचन 9.उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

601. रविप्रभात

अष्टाध्यायी का अंगाधिकार : पतञ्जलि, कैयअ तथा हरदत्तमिश्र के सन्दर्भ में।

निर्देशक : प्रो. मिथिलेश चतुर्वेदी

Th 20038

विषय सूची

1. पाणिनि की अन्वाख्यान शैली 2. अष्टाध्यायी का अंगाधिकार 3. अंगाधिकार में दीर्घ-विधान 4. आभीयासिद्धत्व का विवेचन 5. अंगाधिकार में भसंज्ञाधिकार 6. अंगाधिकार में प्रतययादेयश-कार्य 7. अंगाधिकार में प्रकृत्यादेश-कार्य 8.अंगाधिकार में आगम-कार्य 9. अंगाधिकार में इट्-कार्य 10. अंगाधिकार में वृद्धि, गुण तथा अभ्यास-कार्य 11. निष्कर्ष । सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

602. राजीव रंजन

भारतीय फलित ज्योतिष शास्त्रोक्त एवं ताजिक शास्त्रोक्त द्वादश भावस्थ ग्रहों के शुभाशुभ फलों का तुलनात्मक अध्ययन।

निर्देशक : प्रो. देवेन्द्र मिश्र एवं डॉ. सुषमा चौधरी

Th 20046

विषय सूची

1. भारतीय ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त 2. ताजिकशास्त्र : एक परिचय 3.

भारतीय ज्योतिष एवं ताजिक शास्त्र में त्रिकोणस्थ ग्रहों के शुभाशुभ फल का तुलनात्मक अध्ययन 4. भारतीय ज्योतिष एवं ताजिक शास्त्र में पणफर भावों में स्थित ग्रहों के शुभाशुभ फल का तुलनात्मक अध्ययन 5. भारतीय ज्योतिष एवं ताजिक शास्त्र में आपोक्लिम भावों में स्थित ग्रहों के शुभाशुभ फल का तुलनात्मक अध्ययन 6. भारतीय ज्योतिष एवं ताजिक शास्त्र में केन्द्रस्थ ग्रहों के शुभशुभ फल का तुलनात्मक अध्ययन 7.निष्कर्ष। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

603. शर्मा (ऋचा)

भारतीय ज्योतिष में यूनानी-ईरानी-तजाकिस्तानी आचार्यों से आदान-प्रदान।

निर्देशक : प्रो. देवेन्द्र मिश्र, प्रो. दीप्ति त्रिपाठी तथा प्रो. राजेन्द्र कुमार

Th 20043

विषय सूची

1. भारतीय ज्योतिष का संक्षिप्त परिचय 2. भारतीय ज्योतिष एवं अ-भारतीय ज्योतिष 3. यवन एवं अन्य पश्चिमी आचार्यों का ज्योतिष-शास्त्र को योगदान 4. भारतीय ज्योतिष और ताजिक शास्त्र 5. ज्योतिष की विविध शाखाओं में विदेशी विद्वानों के मतों का समावेश 6. निष्कर्ष । सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

604. शर्मा (तृप्ति)

भारतीय ज्योतिष शास्त्र को आचार्य जीवनाथ का योगदान।

निर्देशक : प्रो. दीप्ति त्रिपाठी तथा प्रो. देवेन्द्र मिश्र

Th 20048

विषय सूची

1. भारतीय ज्योतिष शास्त्र एवं जीवनाथ झा 2. भावकुतूहलम् का विवेचनात्मक वर्णन 3. भावकुतूहलम् के विशिष्ट अध्यायों का विश्लेषणात्मक वर्णन 4. भावप्रकाशः का विवेचनातमक अध्ययन 5. प्रश्नभूषणम् ग्रंथ का विवेचनात्मक अध्ययन 6. जीवनाथ कृत अन्य ग्रंथों का विशिष्ट विवेचन 7. उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

605. शिवशंकर

पाणिनीय व्याकरण में वाक्यांश तथा वाक्य के संरचना-सिद्धान्तों का अध्ययन।

निर्देशक : प्रो. मिथिलेश चतुर्वेदी

Th 20035

विषय सूची

1. रूपान्तरक-प्रजनक व्याकरण और पाणिनीय व्याकरण 2. वाक्यांश तथा वाक्य के संरचना-सिद्धान्त के नियम 3. कोटीय नियमों का विवेचन 4. शब्दकोशीय नियमों का विवेचन 5. रूपान्तरण नियमों का विवेचन 6. उपसंहार । परिशिष्ट एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

606. संतोष कुमार

काव्य-सर्जना : भारतीय पारम्परिक दृष्टि एवं क्रोचे का तुलनात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : डॉ. सुनीता गुप्ता

Th 20041

विषय सूची

1. काव्य-स्वरूप विवेचन 2. काव्य-सर्जना और कवि 3. काव्य के उपादान 4. काव्य-सर्जना क्रोचे का अभिव्यञ्जनावाद तथा भारतीय परम्परा 5. अभिव्यञ्जनावाद के विविध आयाम 6. उपसंहार । सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

607. सिंह (अवधेश प्रताप)

ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य में उपस्थापित वाद-प्रतिवाद की शास्त्रीय समीक्षा।

निर्देशिका : प्रो. शकुन्तला पुञ्जानी

Th 20053

विषय सूची

1. प्रस्तावना 2. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य में उपस्थापित वाद-प्रतिवाद विषयक अंश 3. सांख्य-योग विषयक वाद-प्रतिवाद की शास्त्रीय समीक्षा 4. न्याय-वैशेषिक विषयक

वाद-प्रतिवाद की शास्त्रीय समीक्षा 5. मीमांसा विषयक वाद-प्रतिवाद की शास्त्रीय समीक्षा 6. बौद्ध विषयक वाद-प्रतिवाद की शास्त्रीय समीक्षा 7. जैन एवं अन्यान्य मतविषयक वाद-प्रतिवाद की शास्त्रीय समीक्षा 8. वाद-प्रतिवाद की शास्त्रीय प्रक्रिया की दृष्टि से आचार्य शंकर का मूल्यांकन 9. सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

608. सुनील कुमार

पञ्चग्रन्थी व्याकरण का आलोचनात्मक अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. पतञ्जलि कुमार भाटिया

Th 20047

विषय सूची

1. बौद्ध एवं जैन व्याकरणों की परम्परा 2. बुद्धिसागर सूरि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 3. पञ्चग्रन्थी व्याकरण का प्रकरणात्मक अध्ययन 4. पञ्चग्रन्थी व्याकरण पर पूर्ववर्तियों का प्रभाव 5. पञ्चग्रन्थी व्याकरण का वैशिष्ट्य एवं मूल्यांकन 6. निष्कर्ष। परिशिष्ट एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ।

609. सोनिया

ऋग्वेद के दशममण्डलान्तर्गत क्रियापदों का भाषाशास्त्रीय अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. श्रीवत्स

Th 20042

विषय सूची

1. विषय प्रवेश - वेद, भाषाशास्त्र एवं क्रियापद 2. दशममण्डलान्तर्गत तिङन्त क्रियापदों की धातुओं का पदवैज्ञानिक अध्ययन 3. दशममण्डलान्तर्गत तिङन्त क्रियापदों के लकारों का पदवैज्ञानिक अध्ययन 4. दशममण्डलान्तर्गत गौण तिङन्त प्रक्रिया तथा अन्य भाषाशास्त्रीय प्रवृत्तियां 5. दशममण्डलान्तर्गत क्रियापदों का ध्वनि वैज्ञानिक अध्ययन 6. दशममण्डलान्तर्गत तिङन्त क्रियापदों का अर्थवैज्ञानिक अध्ययन 7. दशममण्डलान्तर्गत तिङन्त क्रियापदों का सांख्यकीय विश्लेषण 8. उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची तथा परिशिष्ट ।

M.Phil Dissertations

610. अनुपम कुमारी
नाट्यसिद्धि-सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग ।
निर्देशिका : डॉ. मीरी द्विवेदी

611. कृष्ण राम
वैयाकरणभूषण में विधिलिङ् विचार ।
निर्देशिका : डॉ. रेखा अरोड़ा

612. कुलदीप
वैयाकरणभूषण में लक्षणा-निरूपण ।
निर्देशक : डॉ. श्रीवत्स

613. जैन (खुशबु कुमारी)
जैन दर्शन में आत्म-विचार : कुन्दकुन्दाचार्य के सन्दर्भ में ।
निर्देशिका : प्रो. शकुन्तला पुन्जानी

614. झा (अमित कुमार)
चालुक्य वंशीय अभिलेखों का सांस्कृतिक अध्ययन (940-1241 ई.) ।
निर्देशिका : डॉ. पूर्णिमा कौल

615. प्रदीप कुमार
प्रमुख वैदिक संस्कारों की ज्यातिषशास्त्रीय समीक्षा नारद संहिता के परिप्रेक्ष्य में।
निर्देशिका : डॉ. पुनीता शर्मा

616. पाल (रश्मि)
वेदान्तकल्पलतिका में प्रतिपादित वाक्य-वृत्ति विचार ।
निर्देशक : डॉ. सत्यमुर्ति

617. मीनाक्षी
शान्तरक्षित द्वारा मीमांसा सम्मत आत्मवाद का खण्डन ।
निर्देशिका : प्रो. शकुन्तला पुन्जानी

618. रामेश्वर
वैयाकरण भूषणसार की शाक्ङरीटीका की समीक्षात्मक अध्ययन : लकारार्थ के सन्दर्भ में ।
निर्देशक : डॉ. रणजीत कुमार मिश्र

619. वन्दना रानी
प्रक्रियासंग्रह तथा लघुसिद्धान्तकौमुदी के स्त्री प्रत्यय प्रकरण का तुलनात्मक अध्ययन ।
निर्देशक : प्रो. पतंजलि कुमार भाटिया

620. विश्वजीत कुमार
प्रमुख ध्वनिवादी आचार्यों का रीति एवं गुण विषयक चिन्तन ।
निर्देशक : डॉ. भारतेन्दु पाण्डेय

621. शर्मा (योगेश)
वाक्यपदीय के साधनसमुदेश्य में साधन-विमर्श : रधुनाथ शर्मा कृत अम्बाकत्री टीका के विशेष सन्दर्भ में ।
निर्देशिका : डॉ. ओमनाथ बिमली

622. सरकार (अमल)
गौतम धर्मसूत्र में सामाजिक चिन्तन ।
निर्देशिका : प्रो. शारदा शर्मा

623. सरकार (प्रदीप)
प्रमुख इन्द्र सूक्तों का काव्यशास्त्रीय अध्ययन ।
निर्देशिका : प्रो. शारदा शर्मा

624. सोहन कुमार

वैयाकरणभूषणसार के अनुसार सुबर्थ निर्णय : शाकूङरीटीका के विशेष सन्दर्भ में।

निर्देशिका : डॉ. सन्ध्या राठौर